

पूर्वक्षित पुं. (तत्.) वह कार्य या योजना जिसका पूर्वक्षण कर लिया गया हो वि. सम्भावित।

पूर्वतर वि. (तत्.) 1. पूर्व से भिन्न 2. पश्चिमी 3. पहले की स्थिति से भिन्न बाद की स्थिति, आदि।

पूर्वोक्त वि. (तत्.) पहले कहा गया, पूर्वकथित।

पूर्वोत्तर वि. (तत्.) 1. पूर्व और उत्तर दिशाओं के बीच का 2. उत्तर पूर्व, ईशान कोण।

पूर्वोपाय पुं. (तत्.) पूर्वावधान, एहतियात के तौर पर की गई कार्रवाई।

पूर्वोपायिक वि. (तत्.) एहतियात के लिए पहले की गई कार्रवाई।

पूल पुं. (अं.) 1. संचय 2. गठरी प्रशा. कार्यालय में एक ही प्रकार के काम में लगे हुए अधिकारियों का बनाया गया समूह जिसके सदस्यों का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाता है।

पूल अधिकारी पुं. (अं+तत्.) किसी कार्यालय द्वारा पूल अथवा अधिकारियों के सुनिश्चित समूह से लिया गया अधिकारी।

पूल पुं. (तत्.) गठरी, पुली।

पूलक पुं. (तत्.) वस्तुओं का ढेर, बँधा हुआ, गट्ठा।

पूलन क्रि. (तत्.) पूल बनाना, समूह बनाना, संचयन।

पूला पुं. (तद्.) छोटा ढेर, घास आदि का बँधा हुआ मुट्ठा (आँटी)।

पूलिका स्त्री. (तत्.) 1. छोटा गट्ठर या बंडल 2. शरीर संरचना में किसी एक दिशा में जाने वाली तंत्रिकाओं या पेशी-तंतुओं का समूह 3. पूरी, एक प्रकार की रोटी।

पूली स्त्री. (तत्.) छोटा पूल, पूल संबंधी।

पूवा पुं. (देश.) दे. पूआ, पुआ।

पूष पुं. (तत्.) 1. मार्गशीर्ष और माघ महीनों के बीच पड़ने वाला महीना 2. सत्ताईस नक्षत्रों में से अंतिम रेवती नक्षत्र 3. शहतूत का वृक्ष।

पूषन पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. बारह आदित्यों में से एक 3. वैदिक देवता जो भिन्न-भिन्न रूपों में वर्णित 4. शहतूत वृक्ष।

पूषा स्त्री. (तत्.) 1. दाहिने कान की नाड़ी 2. पृथ्वी 3. चंद्रमा की तीसरी कला।

पूस पुं. (तद्.) अगहन (मार्गशीर्ष) एवं माघ महीने के बीच पड़ने वाला चांद्र मास, पौष।

पृक्त वि. (तत्.) संबंध, मिला हुआ, मिश्रित, संपृक्त 2. संयुक्त पुं. (तत्.) संपत्ति, धन।

पृक्ति स्त्री. (तत्.) किसी से संबंध, लगाव, संपृक्ति, संपर्क, योग, स्पर्श।

पृक्थ पुं. (तत्.) संपत्ति या धन।

पृच्छक पुं. (तत्.) 1. जानने की इच्छा रखने वाला, जिज्ञासु 2. पूछने वाला।

पृच्छा स्त्री. (तत्.) 1. (भविष्य संबंधी) जानकारी प्राप्त करने की इच्छा 2. प्रश्न 3. पूछताछ।

पृतना स्त्री. (तत्.) सेना, वह सेना जिसमें 243 हाथी, 243 रथ, 729 अश्वारोही, 1215 पैदल सिपाही हो।

पृथक् क्रि.वि. (तत्.) अलग भिन्न।

पृथक्पर्णता स्त्री. (तत्.) पृथक् पर्ण होने की स्थिति या भाव।

पृथक्पिंड वि. (तत्.) अलग से पिंडदान करने वाला दूर का सगोत्र, वह दूरवर्ती संबंधी जो साथ पिंड न देकर अकेले दे।

पृथक्-पृथक् क्रि.वि. (तत्.) अलग-अलग, भिन्न भिन्न, विलग, अलग-थलग।

पृथक्त्रि पुं. (तत्.) अलग करने वाला उपकरण।

पृथक्करण पुं. (तत्.) अलग करना या अलग-अलग करने का भाव, विश्लेषण।

पृथक्कारक पुं. (तत्.) 1. पृथक् करने वाला तत्व, पृथक्कारी 2. अलगाव वादी।

पृथक्कारित्र पुं. (तत्.) दे. पृथक्त्रि।